

आइआइटी इंदौर में चल रही है 138 विषयों पर रिसर्च

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर विभिन्न विषयों पर रिसर्च वर्क कर रहा है। इस समय संस्थान में 138 विषयों पर रिसर्च की जा रही है। इससे संस्थान की अच्छी कमाई हो रही है। संस्थान के रिसर्च डेवलपमेंट फंड में करीब 62 करोड़ रुपये जमा हैं। यह राशि सरकारी और प्राइवेट कंपनियों के लिए की गई रिसर्च करने से प्राप्त हुई है।

संस्थान के विद्यार्थी कल्याण विभाग के डीन डॉ. संतोष विश्वकर्मा ने बताया कि आइआइटी सरकारी और निजी कंपनियों के साथ मिलकर भी रिसर्च करता है। तकनीक के विकास के लिए की जाने वाली रिसर्च को संस्थान बढ़ावा देता है। जनवरी 2020 में आइआइटी इंदौर ने आयशर कंपनी के साथ मिलकर रिसर्च की थी। इसमें चार पहिया वाहनों के अंदर बाहर के वाइब्रेशन से होने वाली आवाज को कम करने पर काम किया गया था। इस तकनीक का नाम नॉइज एंड वाइब्रेशन आइसोलेशन है। इस रिसर्च पर काम करने के लिए संस्थान को करोड़ों रुपये की राशि प्राप्त हुई थी। इस तरह के अन्य विषयों पर भी संस्थान रिसर्च कर रहा है।

कौन करवा सकता है रिसर्च : आइआइटी इंदौर से कोई भी सरकारी और निजी कंपनी अपने उत्पादों को बेहतर बनाने के लिए रिसर्च करवा सकती है। रिसर्च का विषय आइआइटी

22 करोड़ के 77 प्रायोजित रिसर्च प्रोजेक्ट पर भी हो रहा है काम

आइआइटी इंदौर को रिसर्च करने के लिए विभिन्न सरकारी संस्थाएं भी फंड स्पांसर कर रही हैं। काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआइआर), बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंस (बीआरएनएस), डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) और काउंसिल ऑफ सोशल साइंसेस रिसर्च (आइसीएसएसआर) से संस्थान को 22 करोड़ रुपये की फंडिंग हुई है। इससे 77 रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। रिसर्च पर संस्थान के 350 पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थी और पीएचडी स्कॉलर काम कर रहे हैं। आइआइटी इंदौर के जनसंपर्क अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि जिन 138 रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है उनमें मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, केमिकल और कई क्षेत्रों से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं।

के पैमानों के अनुरूप होना चाहिए। यदि ऐसा है तो आइआइटी संबंधित कंपनी के साथ मिलकर रिसर्च करती है। रिसर्च की राशि प्रोजेक्ट के दायरे पर निर्भर होती है जो कुछ लाख से लेकर करोड़ों रुपये तक हो सकती है।